भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **5663** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 27 मार्च, 2026/06 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाना है

हरित बंदरगाहों और समुद्री अवसंरचना का विकास

†5663. श्री दामोदर अग्रवाल :

कैप्टन बृजेश चौटा :

श्री जनार्दन मिश्रा :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान प्रति टन कार्गो पर प्रमुख बंदरगाहों की कार्बन तीव्रता को कम करने पर "हरित सागर" हरित बंदरगाह दिशानिर्देशों का क्या प्रभाव पड़ा है;

(ख) ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) के अंतर्गत पारंपरिक डीजल चालित हार्बर टग्स को हाइब्रिड एवं विद्युत विकल्पों से प्रतिस्थापित करने में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ग) राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत समर्पित ग्रीन हाइड्रोजन / अमोनिया केन्द्रों के रूप में विकसित किए जा रहे तीन प्रमुख पत्तनों-दीनदयाल, पारादीप और वीओ चिदंबरनार सहित पत्तनों का अद्यतन ब्यौरा क्या है;

(घ) मंगलुरु सहित प्रमुख पत्तनों पर शोर-टू-शिप पावर (एस2एसपी) सुविधाओं की स्थिति क्या है और बर्थ पर रहते हुए विदेशी और घरेलू जलयानों के लिए तटीय शक्ति का उपयोग करने के लिए क्या अनिवार्य लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;

(ङ) वर्ष 2026 तक पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित पोत पुनर्चक्रण के लिए हांगकांग कन्वेंशन के अनुरूप होने के लिए शिपयार्ड्स को प्रदान किए गए प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या मंगलुरु बंदरगाह को राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में शामिल करने की कोई योजना है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ख): महापत्तनों ने कई पहलें शुरू की हैं, जैसे कि पारंपरिक डीजल संचालित टग्स से इलेक्ट्रिक / हाइब्रिड टग्स में परिवर्तन के लिए ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) का कार्यान्वयन, पत्तनों पर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना, पत्तन उपकरण का विद्युतीकरण, वाहन और रेलवे पटरियां, शून्य उत्सर्जन ट्रक की तैनाती और "हरित सागर" हरित पत्तन दिशानिर्देशों के तहत, तट पर ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली की स्थापना, जिसके परिणामस्वरूप महापत्तनों पर कार्बन तीव्रता में कमी आई हैं। जीटीटीपी के तहत, चार महापत्तनों, अर्थात् दीनदयाल पत्तन, जवाहरलाल नेहरू पत्तन, विशाखापत्तनम पत्तन और वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन ने इलेक्ट्रिक टग्स के लिए कार्य आदेश दे दिया है।

(ग) से (च): नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने राष्ट्रिय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत देश में हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए तीन (03) महापत्तनों अर्थात् गुजरात में दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण, ओडिशा में पारादीप पत्तन प्राधिकरण और तमिलनाडु में वी.ओ.चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण को ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में मान्यता प्रदान की है। ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित होने वाले इन पत्तनों द्वारा शुरू की गई पहलों का विवरण **अनुबंध** के रूप में संलग्न है। सभी महापत्तन, छोटे क्राफ्ट जैसे पत्तन क्राफ्ट को 'शोर टू शिप पावर' सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं। पोतों के सुरक्षित और पर्यावरण की दृष्टि से अनुरूप पोत पुनर्चक्रण के लिए, हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन के तहत, 2026 तक, फेरस स्क्रैप डेवलपमेंट फंड (एफएसडीएफ) के माध्यम से 109 जहाज पुनर्चक्रण यार्डों को 53.39 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है।

अनुबंध

ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किए जाने वाले तीन महापत्तनों द्वारा शुरू की गई पहलों का विवरण निम्नानुसार है:-

(i) दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण:

- 1 एमडब्ल्यू इलेक्ट्रोलाइजर- आधारित हरित हाइड्रोजन (जीएच2) संयत्र की शुरूआत।
- बायो मैथेनॉल बंकरिंग प्रचालन के लिए कांडला पत्तन हेतु 6 (7 के लिए प्रगतिशील) पत्तन रेडीनेस स्तर (पीआरएल) की प्राप्ति।
- हरित हाइड्रोजन/ हरित अमोनिया परियोजनाओं के विकास के लिए विकासकर्ताओं को 3,400 एकड भूमि का आबंटन।
- दीनदयाल पत्तन ने 3.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष की क्षमता की एक जेट्टी विकसित की है जो पत्तन पर हरित अमोनिया की हैंडलिंग के लिए भी संगत है।

(ii) वी.ओ.चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण

- पत्तन ने हरित हाइड्रोजन/ हरित अमोनिया परियोजनाओं के विकास के लिए 205.72 एकड़ की भूमि आबंटित की है।
- पत्तन ने अप्रैल, 2025 में एक 10 एनएम3 क्षमता के साथ पाइलेट हरित हाइड्रोजन संयत्र की शुरूआत की है।
- पत्तन, 2x750 क्यूबिक मीटर की क्षमता के साथ एक हरित मैथनॉल बकरिंग सुविधा भी विकसित कर रहा है।

(iii) पारादीप पत्तन प्राधिकरण:

सरकार ने, पारादीप पत्तन प्राधिकरण पर सार्वजनिक- निजी- भागीदारी के माध्यम से हरित हाइड्रोजन/ हरित अमोनिया हैंडलिंग जेट्टी के विकास की मंजूरी दी है। परियोजना की अनुमानित लागत 797.17 करोड़ रु. है, जिसकी कार्गो हैंडलिंग क्षमता 4 मिलियन टन प्रतिवर्ष है।

*****